दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 79 | पंचकूला। शनिवार, 25 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

लोग कहते हैं कि वे समझते हैं कि मैं क्या कहता हूं और मैं सरल हूं। मैं सरल नहीं हूँ, मैं स्पष्ट हूं।

एक नजर

बुलेट से पटाखें फोड़ने वालों पर पुलिस का एक्शन

पांच बुलेट के भारी-भरकम चालान, दो इंपाउंड

पंचकूला। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने हुड़दंगबाजी करने वाले बुलेट चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मॉडिफाइड साइलेंसर के जरिए पटाखों जैसी तेज आवाज निकालने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने औचक नाकाबंदी कर चैकिंग की। इस दौरान सिटी ट्रैफिक एसएचओ वरिन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने बिना वैध दस्तावेजों और नियमों का उल्लंघन करते हुए बुलेट मोटरसाइकिल चला रहे चालकों पर कार्रवाई करते हुए कुल 5 बुलेट मोटरसाइकिलों के चालान काटे, जिनमें से 2 को इंपाउंड भी किया गया। इंपाउंड की गई मोटरसाइकिलों पर 24,500 रुपये और 32,000 रुपये के भारी भरकम चालान किए गए, जबकि अन्य 3 बुलेट चालकों पर 10-10 हजार रुपये के चालान किए गए। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क पर हुड़दंगबाजी, तेज रफ्तार, स्टंट करना और मॉडिफाइड साइलेंसर से तेज आवाज निकालना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें।

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान पर सीजेआई बोले- लोकतांत्रिक परंपरा मजबूत हुई

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल में गुरुवार को संपन्न पहले चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत 92 फीसदी से अधिक दर्ज किया गया। मतदान प्रतिशत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष और खुशी जाहिर की है। सर्वोच्च अदालत ने इसे लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का मतदान में हिस्सा लेना देश की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का एक नागरिक होने के नाते मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग वोट डालते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जब नागरिक अपने वोट की अहमियत समझते हैं, तो वे हिंसा से दूर रहते हैं। इस दौरान जस्टिस बागची ने भी चुनाव प्रक्रिया को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के दौरान किसी बड़ी हिंसक घटना की खबर सामने नहीं आई, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि राजाओं के बीच युद्ध होता है, लेकिन जान आम लोगों की जाती है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मतदान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि 92 फीसदी से अधिक मतदान लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है।

सरकारी विश्वविद्यालय में 32 नॉन टीचिंग पद खाली, 21 मई तक करें आवेदन

नई दिल्ली. देश के किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। दिल्ली स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत यूनिवर्सिटी ने कुल 32 गैर शिक्षण (नॉन टीचिंग) पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके रिक्तियों की घोषणा की है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने जिन 32 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, उनमें डिप्टी रजिस्ट्रार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, सेक्शन अधिकारी, अनुसंधान-सह-सांख्यिकी अधिकारी, असिस्टेंट प्रोग्रामर, असिस्टेंट, पर्सनल असिस्टेंट, प्रयोगशाला असिस्टेंट, स्टाफ कार चालक, पंप ऑपरेटर और प्रयोगशाला अटेंडेंट (केवल दिव्यांगजनों के लिए) के 1-1, स्टेनोग्राफर और पुस्तकालय अटेंडेंट के 3-3, लोअर डिविजन क्लर्क (एलडीसी) के 7 और बहु कार्य कर्मचारी (एमटीएस) के 8 पद शामिल हैं। इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 21 मई तय की गई है। जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय लास्ट डेट के शाम 6 बजे तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पद अनुसार 10वीं पास, आईटीआई पास, 12वीं उत्तीर्ण, ग्रेजुएशन की डिग्री, पोस्ट-ग्रेजुएशन डिग्री, बीई/बीटेक कंप्यूटर साइंस/इलेक्ट्रॉनिक्स, एमसीए/एमएससी कंप्यूटर साइंस, आशुलिपि कौशल, टाइपिंग कौशल या ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता और तय वर्षों का अनुभव होना भी अनिवार्य है। उम्मीदवारों की अधिकतम आयु पद के अनुसार 32 से 50 वर्ष के बीच तय की गई है, जिसकी गणना 21 मई के आधार पर की जाएगी। आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट, इंटरव्यू, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा।

निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का दावा, डबल इंजन सरकार मजबूत करने का आह्वान : सीएम सैनी

सीएम सैनी ने मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल का कराया नामांकन

- **नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने का दावा किया**
- **पंचकूला में मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल के नामांकन के दौरान मीडिया से की बातचीत**
- **मुख्यमंत्री ने जनता से भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की**

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में होने वाले निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत का दावा करते हुए डबल इंजन सरकार को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। वह शुक्रवार को पंचकूला में भाजपा के मेयर प्रत्याशी श्याम लाल बंसल के नामांकन के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 11 वर्षों में विकास के अनेक कार्य किए हैं और जनता के समर्थन से पार्टी पंचकूला में मेयर पद सहित सभी 20 वार्डों में रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगी। उन्होंने अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी, धारूहेड़ा, सापला और उकलाना में भी भाजपा की जीत का दावा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान छोड़ रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनता का समर्थन नहीं मिल रहा। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में भी भाजपा सरकार बनने की उम्मीद जताई। नामांकन के अवसर पर पूर्व स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल और अन्य नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने टिकट वितरण के बाद नाराज नेताओं से भी मुलाकात की और उन्हें साथ लेकर चुनाव लड़ने का आह्वान किया। उधर, टिकट से वंचित कुछ नेताओं ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया, जबकि समाजसेवी अनिल थापर ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में विकास कार्यों की गति और तेज की जाएगी।

श्रम मंत्री अनिल विज की मौजूदगी में मेयर पद प्रत्याशी अक्षिता सैनी ने भरा नामांकन

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला नगर निगम चुनाव में भाजपा से मेयर पद प्रत्याशी अक्षिता सैनी का नामांकन आज इस आशीष के साथ भरवाया गया है कि वो भारी मतों से यहां से चुनाव जीत सकें। विज आज अम्बाला शहर एडीसी कार्यालय में मेयर पद प्रत्याशी अक्षिता सैनी का नामांकन भरवाने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज सारे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकास की लहर देश व प्रदेश में चल रही है और इसी लहर का हिस्सा अम्बाला नगर निगम के लोगों तक भी पहुंचे इसके लिए आवश्यक है कि तीनों जगह पर एक ही विचारधारा की पार्टी के लोग विजयी हो। इससे ज्यादा अच्छे व बेहतर तरीके से लोगों तक केंद्र व प्रदेश की सेवाएं पहुंचेगी। आप जानते हैं कि कई बार तो नलके में पानी भी नहीं आता। आज नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान हरियाणा से कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा, दिल्ली से मंत्री सरदार मनजिंद्र सिंह सिरसा, पूर्व मंत्री असीम गोयल, सांसद कार्तिकेय शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता व अन्य मौजूद रहे। बंगाल चुनावों

को लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मोदी जी का करिश्मा है, उनकी दूर-दृष्टि है उनके इंतजाम है कि जिस प्रदेश में 1947 के बाद चुनाव के दिन सैकड़ों हत्याएं होती थी और आज लोगों ने दिल खोलकर बंपर वोटिंग की है। पहले लोगों को घरों से आने ही नहीं दिया जाता था और दबंगई से लोगों द्वारा रोका जाता था। इस बार बड़ी संख्या में लोग वोट डालने के लिए आए है जो इस बात का इशारा है कि भारतीय जनता पार्टी बंगाल में भारी मतों से सरकार बनाने जा रही है। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि ममता बनर्जी काफी थक गई है।

पंचकूला वार्ड नंबर छह से प्रवीन कुमार गोयल ने दाखिल किया नामांकन

पंचकूला। स्थानीय वार्ड नंबर छह से निर्दलीय प्रत्याशी प्रवीन कुमार गोयल ने आज निगम चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस वार्ड के अंतर्गत पंचकूला का सेक्टर 16,17 तथा 18 आता है। कार्यकर्ताओं व समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रवीन कुमार गोयल ने कहा कि उनका मुख्य एजेंडा विकास तथा अपने वार्ड के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहता है। प्रवीन कुमार ने इस चुनाव अपना वार्ड क्लीन एंड ग्रीन का नारा दिया है।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव राजनीति की बजाए आपसी भाईचारे का चुनाव है। लोगों के ऐसा व्यक्ति चुनना चाहिए जिसके निगम में जाने से विकास के साथ-साथ आपसी भाईचारा भी मजबूत हो। उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता विकास चाहती है। पहले राजनेताओं को देख चुकी है। सेक्टरों में सफाई व्यवस्था की हालत खराब है। सेक्टर 16 की मार्केट में हालत दयनीय है। सेक्टर 17 की सोसायटियों में गंदगी की भरमार है। प्रवीन कुमार गोयल ने कहा कि वह पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरे हैं।

क्षेत्र में सक्रिय समाजसेवी छवि के चलते प्रवीण गोयल को स्थानीय निवासियों का समर्थन मिल रहा है। प्रवीण गोयल ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य वार्ड के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने, सड़कों की मरम्मत, बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग, पार्कों के रखरखाव और जल निकासी जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि वे बिना किसी राजनीतिक दबाव के स्वतंत्र रूप से जनता की सेवा करना चाहते हैं और वार्ड की हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करेंगे। प्रवीण गोयल ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे उन्हें अपना समर्थन दें ताकि वार्ड नंबर 6 को एक आदर्श वार्ड बनाया जा सके। स्थानीय लोगों ने भी प्रवीण गोयल के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं और क्षेत्र की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। प्रवीन कुमार गोयल जलूस की शक्ल में निर्वाचन कार्यालय पहुंचे और यहां अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर समाज सेवी प्रदीप बंसल, पीसी गोयल, अमित गोयल, मुकेश अग्रवाल, जयराजा गर्ग, पवन गोयल समेत कई गणमान्यों ने प्रवीन कुमार गोयल की विजय हेतु कामना की

निकाय चुनाव में जीत दर्ज करेगी भारतीय जनता पार्टी

सोनीपत. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी, उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों पर विश्वास जनता मुहर लगाएगी निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सुशासन, पारदर्शिता और विकास की नीतियों पर जनता की मुहर लगेगी। निकाय चुनाव में एक तरफा भाजपा को समर्थन मिल रहा है, यह साबित करता है कि जनता प्रदेश का विकास चाहती है। मोदी सरकार ने पूरी दुनिया में जनता का मान और सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

योगेश्वर शर्मा ने सभी आप राज्यसभा सांसदों का भाजपा में स्वागत किया

पंचकूला. भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेश्वर शर्मा का कहना है कि देश की राजनीति में आज एक बड़ा और निर्णायक बदलाव सामने आया है। आम आदमी पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालिवाल, राजेंद्र गुप्ता एवं विक्रम साहनी ने आम आदमी पार्टी की विफल नीतियों और नेतृत्व से निराश होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। भाजपा की ओर से पार्टी में शामिल होने पर इन नेताओं का जोरदार स्वागत करते हुए योगेश्वर शर्मा ने कहा कि सच्चाई यह है कि आम आदमी पार्टी अब आम नहीं रही, बल्कि अहंकार, अवसरवाद और भ्रम की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। जिस पार्टी ने ईमानदारी और पारदर्शिता का दावा किया था, वही आज आंतरिक कलह, तानाशाही नेतृत्व और जनता से किए वादों की खुली अनदेखी एवं भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि इन वरिष्ठ नेताओं का यह निर्णय इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अब सच्चाई छुपाई नहीं जा सकती। आम आदमी पार्टी का झूठ और दिखावे का मुखौटा उतर चुका है। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ देश को नई दिशा दी है।

आज भारत विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा है, और यही विश्वास देश के हर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को भाजपा की ओर आकर्षित कर रहा है। यह सिर्फ दल परिवर्तन नहीं, बल्कि देशहित में लिया गया एक साहसिक और सही निर्णय है। आने वाले समय में यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता अब भ्रम की राजनीति नहीं, बल्कि विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति को ही चुनेगी।

अंकुर स्कूल के छात्र आदित्य खैवाल का इसरो 'युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम-2026' में चयन

चंडीगढ़। शहर के सेक्टर-14 स्थित अंकुर स्कूल के कक्षा 10वीं के छात्र आदित्य खैवाल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम-2026' में जगह बनाई है। इस चयन को स्कूल और शहर के लिए गर्व की उपलब्धि माना जा रहा है। आदित्य 11 से 22 मई 2026 तक अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र में आयोजित आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रह तकनीक और संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ सीधे संवाद का अवसर भी मिलेगा, जिससे उनके ज्ञान और अनुभव में वृद्धि होगी। आदित्य की विज्ञान के प्रति गहरी रुचि पहले भी सामने आ चुकी है। वे किड्स, वायु एवं कोरोना और किड्स, वायु एवं जलवायु परिवर्तन जैसी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराही गई परियोजनाओं में सक्रिय योगदान दे चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉमिक कहानी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार भी हासिल किया है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, यह सफलता आदित्य की कड़ी मेहनत, नवाचार की सोच और विज्ञान के प्रति समर्पण का परिणाम है। अंकुर स्कूल परिवार ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए आदित्य को बधाई दी।

जादवपुर की जनता से पीएम नरेंद्र मोदी का वादा, बोले-बेकार नहीं जाने दूंगा तप

जादवपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जादवपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि बंगाल का हर व्यक्ति भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहा है। इस दौरान, पीएम मोदी ने सत्तारूढ़ टीएमसी पर भी तीखा प्रहार किया। जादवपुर की रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं विश्वास दिलाता हूं कि जो लोग धूप में तप कर रहे हैं, मैं उनका तप बेकार नहीं जाने दूंगा। इस क्षेत्र का विकास करके मैं आपके इस तप को ब्याज समेत लौटाऊंगा। पहले चरण के मतदान को लेकर पीएम मोदी ने कहा, दिश आजाद होने के बाद कभी ऐसा मतदान नहीं देखा। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को जनता का समर्थन मिला है। आज बंगाल के छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी भयमुक्त होकर भाजपा के साथ हैं। आज बंगाल के टैक्सीवालों से लेकर रिक्शा चालकों तक सभी भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। आज नाव चलाने वाले हों या नाम कमाने वाले हों, हर कोई खुलेआम परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार है। सरकारी कर्मचारी से लेकर पुलिसकर्मियों तक सभी उज्जवल बंगाल के लिए मैदान में आए हैं। शिक्षकों से लेकर वकील और डॉक्टर तक सभी भाजपा के समर्थन में उतरे हुए हैं। पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, पिछले 15 सालों में टीएमसी ने बंगाल को केवल लूटने का काम किया है। ऐसा कोई काम नहीं, जहां टीएमसी का करप्शन नहीं। इसलिए बंगाल की जनता कह रही है कि भर्ती घोटाला, चिटफंड घोटाला, कोयला खनन घोटाला, बालू खनन घोटाला, गरीबों के राशन की लूट, तस्करों को छूट और कटमनी व कमीशन नहीं चलेगा। महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी पीएम मोदी ने टीएमसी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, भाजपा का विश्वास है कि बेटी सशक्त होगी, तो समाज सशक्त होगा। इसलिए हम हर योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि बंगाल की हर बहन आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने। लेकिन आपने देखा कि कुछ दिन पहले देश की संसद में टीएमसी और उसके साथियों ने महिला आरक्षण का विरोध किया। देश चाहता है कि राजनीति में बेटियों की भागीदारी बढ़े। लेकिन TMC नहीं चाहती। भाजपा चाहती है कि देश की नारी शक्ति सशक्त हो, लेकिन टीएमसी इसके विरोध में खड़ी हो गई है। जादवपुर यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, इस यूनिवर्सिटी का नाम दुनिया भर में सम्मान से लिया जाता था। कैंपस की नींव ही राष्ट्रवाद पर रखी गई थी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से अचानक बन गया 'फ्रीलांसर'

'तलाक का केस आते ही सब बेरोजगार', पति की दलील सुन भड़का सुप्रीम कोर्ट, बिना मांगे पत्नी को दिलाए 50 लाख!

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली. देश की सर्वोच्च अदालत में रोजाना कई मामलों की सुनवाई होती है, लेकिन कई बार जजों की टिप्पणियां और फैसले चर्चा का विषय बन जाते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प और हैरान करने वाला मामला सुप्रीम कोर्ट में सामने आया, जहां एक पति को अदालत में दलीलें देना भारी पड़ गया। दिलचस्प बात यह रही कि पत्नी ने तलाक के एवज में कोई गुजारा भत्ता (एलिमनी) नहीं मांगा था, लेकिन कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए पति को 50 लाख रुपये देने का कड़ा आदेश सुना दिया। सुनवाई के दौरान पति के बेरोजगार होने की दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि तलाक की कार्यवाही शुरू होते ही अचानक हर कोई बेरोजगार क्यों हो जाता है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में एक तलाक के मामले की सुनवाई चल रही थी। पत्नी ने क्रूरता और परित्याग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी, लेकिन पति अदालत में रट लगाए हुए था कि उसे तलाक नहीं चाहिए। जब कोर्ट ने पति से पूछा कि क्या वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, तो उसने जवाब दिया कि वह अब एक 'फ्रीलांसर' है। इस जवाब पर जज ने तंज कसते हुए कहा कि तलाक का केस शुरू होने के बाद हर कोई बेरोजगार बन जाता है। जज ने कहा कि कभी पत्नी कहती है कि उसने इस्तीफा दे दिया है, तो कभी पति कहता है कि उसने नौकरी छोड़ दी है या उसे निकाल दिया गया है, और अब इस मामले में आप अचानक फ्रीलांसर बन गए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पति से कड़े सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि क्या वह अपनी पत्नी पर लगाए गए व्यभिचार के आरोपों को साबित कर पाया है? इस पर पति का जवाब 'ना' में था।

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि व्यभिचार का झूठा आरोप लगाना, जिसे आप अदालत में साबित ही न कर सकें, यह अपने आप में तलाक दिए जाने का एक बड़ा आधार है। इसी बीच जब कोर्ट ने पूछा कि क्या पत्नी गुजारा भत्ता मांग रही है, तो पति ने कहा कि वह ऐसी कोई डिमांड नहीं कर रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि तब तो आपको इस बात से खुश होना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान पत्नी की तरफ से अदालत को बताया गया कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट द्वारा तलाक के फैसले को सही ठहराए जाने के बाद उसने दूसरी शादी कर ली है। इसके बावजूद पति बार-बार अपनी बात रखने की कोशिश कर रहा था। कोर्ट ने इसके बाद सीधा आदेश देते हुए कहा कि पति अपनी पत्नी को 50 लाख रुपये एलिमनी के तौर पर दे।

पति ने हैरान होते हुए कहा कि पत्नी ने तो इसकी मांग ही नहीं की है! इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक जवाब देते हुए कहा- यह उसकी मांग नहीं है, यह हम कह रहे हैं।

एक नजर

दो चरणों में होगी जनगणना-2027: डॉ. खोसा

चंडीगढ़. 24 अप्रैल 2026 को डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब एवं यूटी चंडीगढ़ और श्री मनजीत सिंह बराड़, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, स्थानीय निकाय विभाग, पंजाब द्वारा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इसमें मीडिया को जनगणना 2027 के पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और आवासीय जनगणना) के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई और स्वयं-गणना की शुरुआत पर विशेष जोर दिया गया। भारत में जनगणना, जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 के तहत की जाती है। जनगणना 2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, जबकि 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस दौरान बताया गया कि जनगणना डेटा सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या से जुड़ी जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत होता है, जो विकास योजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में 30 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 तक स्वयं-गणना होगी, जबकि 15 मई से 13 जून 2026 तक घर-घर जाकर गणना की जाएगी। दूसरे चरण में 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक जनसंख्या गणना की जाएगी। पहला चरण आवास, सुविधाओं और संपत्तियों से संबंधित जानकारी पर केंद्रित होगा, जो दूसरे चरण के लिए आधार तैयार करेगा। डॉ. नवजोत खोसा ने बताया कि जनगणना 2027 पहली बार डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं-गणना की सुविधा भी उपलब्ध होगी। लोग निर्धारित समय में अपने विवरण भरकर एक यूनिक सेल्फ-एन्यूमरेशन रेफरेंस आईडी प्राप्त कर सकेंगे, जिसे फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान गणनाकार को दिखाना होगा। उन्होंने बताया कि जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों के निर्माण के लिए वेब-आधारित मैपिंग का उपयोग किया गया है। राज्य नोडल अधिकारी श्री मनजीत सिंह बराड़ ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। पूरे राज्य में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं और लगभग 67,000 गणनाकारों और सुपरवाइजरों (रिजर्व सहित) की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि जनगणना कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया गया है। पंजाब में 52 मास्टर ट्रेनर (36 राज्य से और 16 डीसीओ पंजाब से) और 932 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। 16 अप्रैल से 9 मई 2026 तक राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर गणनाकारों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा गया कि मीडिया लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इसे जागरूकता फैलाने, जनभागीदारी बढ़ाने और खासकर डिजिटल जनगणना व डेटा गोपनीयता से जुड़ी गलत जानकारी का मुकाबला करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे

एस.ए.एस. नगर. पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट के साथ एस.ए.एस. नगर स्थित पंजाब मंडी बोर्ड के मुख्य कार्यालय में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर स. खुड्डियां ने बताया कि ये नियुक्तियां मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस नीति के तहत की गई हैं, जिसके अंतर्गत मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया जाता है, ताकि उन्हें कम से कम समय में आर्थिक और सामाजिक सहायता मिल सके। नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ केवल मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां प्रदान कर रही है और अब तक 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने उम्मीदवारों को अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम प्रभावित परिवारों के लिए बड़ा सहारा साबित होगा और ये युवा अब पंजाब मंडी बोर्ड के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस मौके पर पंजाब मंडी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

'गैंगस्टरां ते वार' के 94वें दिन 602 स्थानों पर छापेमारी; 288 गिरफ्तार

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 94वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 602 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। आज 94वें दिन पुलिस टीमों ने तीन हथियारों सहित 288 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 23,680 हो गई है। 87 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 92 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने सात भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में सूचना दे सकते हैं।

पंजाब विरोधी है भाजपा, गद्दारों को सबक सिखाएगी जनता : सीएम भगवंत मान

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले सांसदों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा से पंजाब विरोधी रही है और राज्य के लोग गद्दारों को सबक सिखाएंगे। भगवंत मान ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी होती है। जो सांसद पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) को तोड़ने की कोशिश की। भाजपा दूसरी पार्टियों में बाधाएं पैदा करती है। उन्होंने कहा, पंजाबी दिल से सभी से प्यार करते हैं, लेकिन अगर कोई उनके साथ विश्वासघात करता है, तो वे उसे कभी नहीं भूलते। भाजपा में शामिल हुए 6-7 आप सांसद पंजाब से नहीं हैं। उन्होंने कहा, ये लोग पंजाबियों के गद्दार हैं। इन्हें सीटें मिलीं, इन्हें वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ी। इन्हें सड़कों पर जाकर लोगों के मुद्दों पर बोलने की जरूरत

नहीं पड़ी। ये सिर्फ खुद को बचाने के लिए वहां गए थे। अब वहां भी इनके लिए जगह नहीं है क्योंकि ये भाजपा के साथ हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, वही 'वॉशिंग मशीन' शरद पवार, शिवसेना-यूबीटी और कांग्रेस के साथ भी इस्तेमाल की गई। भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि जब से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाए गए हैं, तब से भाजपा में बेचैनी साफ दिख रही है और वह इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। पंजाब में लगातार हार का बदला लेने के लिए भाजपा हमेशा से पंजाब और आप के प्रति नफरत रखती आई है।

उन्होंने कहा, हम पार्टी छोड़ने वालों और उन्हें शामिल करने वालों दोनों की कड़ी निंदा करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब की पवित्र धरती से मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि आम आदमी पार्टी आम लोगों की पार्टी है और जनता ही हमारी असली ताकत है। जनता पंजाब के गद्दारों को जरूर सबक सिखाएगी। इस तरह की राजनीति से पंजाब नहीं जीता जा सकता। लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी होती है और आम आदमी हमारी असली ताकत है। आम आदमी पार्टी एक क्रांतिकारी सोच वाली पार्टी है और हमेशा सच के साथ खड़ी रहती है। इससे पहले, पंजाब आप के महासचिव बलतेज पन्नू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया कि वे केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर और सांसदों को तोड़कर पार्टी को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं।

पुलिस और बीएसएफ का बड़ा एक्शन, भारत-पाक सीमा से करीब एक किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर जिले में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना भिंडी सैदां की पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (क़स्त्र) ने एक संयुक्त अभियान में 980 ग्राम हेरोइन बरामद की है। यह सफलता भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित संदिग्ध इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान मिली। पुलिस अधिकारियों को गोपनीय जानकारी मिली थी कि तस्कर सीमा पार से नशीले पदार्थों की खेप भारतीय क्षेत्र में पहुँचाने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस और बीएसएफ के जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और इलाके की गहन तलाशी ली, जिसके परिणामस्वरूप हेरोइन का पैकेट बरामद हुआ। बरामद की गई 980 ग्राम हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। हालांकि, मौके से अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस तस्करों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। अब जांच का मुख्य केंद्र यह पता लगाना है कि यह खेप पाकिस्तान के किस हिस्से से आई थी और यहाँ इसे किसे डिलीवर किया जाना था।

अकाली दल वारिस पंजाब दे का बड़ा एलान

खालिस्तानी समर्थक सांसद अमृतपाल 2027 में होंगे सीएम फेस

चंडीगढ़. पंजाब की सियासत में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। Akali Dal Waris Punjab De ने अपने पत्ते खोलते हुए बड़ा फैसला लिया है। पार्टी ने डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद Amritpal Singh को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया है। लुधियाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी नेताओं ने इस घोषणा को पंजाब के भविष्य के लिए निर्णायक कदम बताया और राज्य व केंद्र सरकार पर तीखे हमले भी किए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ राजनीतिक साजिश रची गई है। उनका कहना था कि National Security Act (NSA) का इस्तेमाल जानबूझकर उन्हें पंजाब की सक्रिय राजनीति से दूर रखने के लिए किया गया। पार्टी ने यह भी कहा कि ह्ल्क हटाए जाने के बावजूद अमृतपाल सिंह की रिहाई अब तक नहीं होना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। नेताओं ने उनकी जल्द रिहाई की मांग

दोहराई। पार्टी ने राष्ट्रीय दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब के असली मुद्दे—जैसे पानी, खेती और क्षेत्रीय पहचान—दिल्ली से संचालित पार्टियां नहीं समझ सकतीं।

नेताओं के मुताबिक, केवल क्षेत्रीय पार्टी ही राज्य के हितों की रक्षा कर सकती है और अमृतपाल सिंह पंजाब की आवाज हैं। इस ऐलान के साथ ही पार्टी ने साफ संकेत दे दिए हैं कि 2027 का चुनाव वह अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में लड़ने जा रही है। पार्टी को भरोसा है कि जनता उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करेगी।

आप के सात सांसदों के आने से बीजेपी हुई और मजबूत : अमित तनेजा

जालंधर. आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए?भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमित तनेजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास, सुशासन और विश्व में मजबूत प्रतिष्ठा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, डॉ. अशोक कुमार मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, राजिंदर गुप्ता और स्वाति मालीवाल ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर विश्वास जताते हुए भाजपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है। इन सभी सांसदों के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी तथा पंजाब सहित पूरे देश में विकास और जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर अमित तनेजा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तरुण चुग का विशेष रूप से हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन सभी सांसदों को अधिकृत रूप से भाजपा परिवार में शामिल कर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया।

'संपर्क अभियान' से जागरूक हो रहे युवा, गैंगस्टरों के जाल से बचाने में पंजाब पुलिस की पहल

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस द्वारा शुरू किया गया 'संपर्क अभियान' अब केवल जनसुनवाई तक सीमित नहीं रहकर युवाओं को गैंगस्टरों की 'अंधेरी दुनिया' के प्रति जागरूक करने का एक प्रभावी मंच बनता जा रहा है। इस पहल के तहत पुलिस कर्मचारी राज्य के विभिन्न जिलों, गांवों और शहरों में जाकर लोगों से सीधे संवाद करते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और समाधान की दिशा में काम करते हैं। साथ ही, यह अभियान कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत करने और नशे की समस्या से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नियमित संवाद के जरिए पुलिस को युवाओं से खुलकर बातचीत करने का अवसर मिला है। इन सत्रों में युवाओं को समझाया जा रहा है कि गैंगस्टर किस तरह उन्हें आसान पैसे, भौतिक सुख-सुविधाओं या विदेश भेजने के झूठे सपने दिखाकर अपने जाल में फंसाते हैं। 'गैंगस्टरों ते वार' मुहिम से मिली जानकारी के अनुसार, ये लालच महज भ्रम होते हैं, जिनका खामियाजा युवाओं को अपने भविष्य से चुकाना पड़ता है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि ऐसे सत्र युवाओं को वास्तविकता से अवगत करा रहे हैं और इसका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि गैंग नेटवर्क चलाने वाले लोग खुद पीछे रहते हैं और युवाओं को आगे कर अपराध करवाते हैं, जिससे अंततः नुकसान युवाओं को ही उठाना पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि युवा समय रहते सतर्क हों और ऐसे जाल से दूर रहें।

इन जागरूकता सत्रों का प्रभाव प्रतिभागियों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कंवलजीत कौर, जिसने हाल ही में एक सत्र में भाग लिया, ने इसे आंखें खोल देने वाला अनुभव बताया। उसके अनुसार, इन सत्रों से यह समझ आता है कि गैंग किस तरह भावनात्मक रूप से कमजोर युवाओं का फायदा उठाते हैं और अंत में नुकसान उसी व्यक्ति को होता है जो इसमें फंसता है। पिछले वर्ष शुरू हुई इस पहल ने लोगों को पुलिस से जुड़ने और अपनी समस्याएं खुलकर साझा करने का अवसर दिया है। इससे समुदायों में सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है। साथ ही, लोगों से मिली जानकारी पुलिस को स्थानीय स्तर पर चुनौतियों को बेहतर समझने में मदद कर रही है। हाल ही में मानसा पुलिस ने गुरु नानक कॉलेज, बुढलाडा में लगभग 1500 विद्यार्थियों और स्टाफ के साथ एक बैठक आयोजित की, जिसे डीआईजी हरजीत सिंह ने संबोधित किया। इसी तरह, फाजिल्का के गांव करनी खेड़ा में आयोजित एक सेमिनार में एसएसपी गुरमीत सिंह ने सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी। पुलिस ने एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 की जानकारी भी साझा की और बताया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा उन्हें सरकार की इनाम नीति के तहत पुरस्कृत किया जाता है। 28 जिलों में 2800 से अधिक सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जो इस अभियान की सफलता को दर्शाते हैं। यह पहल केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वास निर्माण और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

पंजाब में बिजली की फिलहाल कोई समस्या नहीं : चीमा

चंडीगढ़। पंजाब में बिजली कटौती को लेकर विपक्ष के आरोपों पर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पलटवार करते हुए कहा कि बिजली की कोई समस्या नहीं है। चंडीगढ़ में आईएएनएस से बातचीत में पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि बिजली की कोई समस्या नहीं है। हम बस जरूरत के हिसाब से कुछ छोटे-मोटे बदलाव कर रहे हैं। आने वाले समय में अगले दो या तीन महीनों में, बिजली की मांग बहुत बढ़ जाएगी, इसलिए किसी भी तरह की रुकावट से बचने के लिए हम पहले से ही तैयारी कर रहे हैं। इसीलिए हम सुधार कर रहे हैं और कुछ इलाकों में अस्थायी तौर पर बिजली बंद की है। कार्य पूरा होते ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। किसी को भी चिंता करने या घबराने की जरूरत नहीं है। गर्मियों में जनता को बिजली कट की समस्या से नहीं जूझना होगा। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को लेकर मंत्री ने कहा कि जहां कहीं भी चुनाव हो रहे हैं, मेरी सभी मतदाताओं से अपील है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए, इस देश के लोकतंत्र को और खूबसूरत बनाने के लिए लोकतंत्र के त्योहार में अपना योगदान दीजिए। ज्यादा से ज्यादा मतों का प्रयोग होना चाहिए।

ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा करते हुए मान सरकार ने गेहूं खरीद के लिए ब्याज-मुक्त ऋण को मंजूरी दे दी है। हर पात्र कर्मचारी को 10,340 तक की सहायता मिलेगी; इस पहल के लिए 15 करोड़ का बजट रखा गया है। कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए 29 मई तक राशि निकालने और आसान मासिक किस्तों में उसे चुकाने की सुविधा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भगवंत मान सरकार ने ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा करते हुए गेहूं खरीद के लिए ब्याज-मुक्त ऋण को मंजूरी दे दी है। हर पात्र कर्मचारी को 10,340 रुपए तक की सहायता मिलेगी। इस पहल के लिए 15 करोड़ का बजट रखा गया है। कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए, 29 मई तक राशि निकालने और आसान मासिक किस्तों में उसे चुकाने की सुविधा देकर प्रयास किए जा रहे हैं।

उधर, पंजाब में बिजली कटौती को लेकर भाजपा ने मान सरकार पर आरोप लगाए। पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अंधेर नगरी, चौपट राजा। अब जब गर्मी का मौसम आ गया है, तो पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के मेंटेनेंस के नाम पर पूरे पंजाब में बिजली बंद कर दी गई है। क्या यह काम फरवरी या मार्च में नहीं हो सकता था। जब पावर कॉर्पोरेशन का कोई रेगुलर चेयरमैन ही नहीं है, तो ये फैसले कौन ले रहा है। सोलर पावर होने के बावजूद जब दिन में बिजली सस्ती होती है तो लोगों को बिजली नहीं मिल रही है। आम जनजीवन से लेकर बिजनेस और इंडस्ट्री तक, आप सरकार में इन पावर कट से हर कोई प्रभावित है। मुख्यमंत्री भगवंत मान विदेश दौरे पर हैं। उन्होने पूछा कि क्या यही मान सरकार का गवर्नेंस मॉडल है।

अनुसूचित जातियों के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु 351 आईटीआई विद्यार्थियों को टूल किट बांटी: डॉ. बलजीत कौर

श्री मुक्तसर साहिब. अनुसूचित जातियों के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब सरकार द्वारा विभिन्न जिलों के 351 आईटीआई विद्यार्थियों को टूल किट वितरित की गई हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और अनुसूचित जातियों के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य लोगों को स्वरोजगार के योग्य बनाना है। उन्होंने बताया कि मलोट में डॉ. बी.आर. अंबेडकर जी की 136वीं जयंती के अवसर पर जिला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये टूल किट वितरित की गईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की सोच पर चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब ने न केवल अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा की, बल्कि महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उन्हें पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी कारण आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

सतलुज में मछलियों के मरने के पीछे औद्योगिक प्रदूषण की कोई भूमिका नहीं

चंडीगढ़. पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.पी.सी.बी.) ने जिला फिरोजपुर में हरिके हेडवर्क्स के पास सतलुज नदी में मछलियों के मरने संबंधी रिपोर्ट किए गए मामले में विस्तृत फील्ड जांच पूरी कर ली है। जांच से पता चलता है कि विश्लेषित मानकों के आधार पर नदी के उस हिस्से, जहां से नमूने लिए गए थे, में औद्योगिक प्रदूषण का कोई जहरीला तत्व नहीं पाया गया। बोर्ड को पिछले दिनों 3 अप्रैल को एक वीडियो प्राप्त हुई थी, जिसमें मरी हुई मछलियां दिखाई दे रही थीं। पी.पी.सी.बी. की एक टीम ने अगले ही दिन वैज्ञानिक स्टाफ और मत्स्य पालन विभाग के साथ गांव गट्टा बादशाह/दीनेके के पास हरिके हेडवर्क्स के आसपास स्थल का निरीक्षण किया। फील्ड निरीक्षणों ने हरिके हेडवर्क्स के डाउनस्ट्रीम की कई जगहों पर, खासकर फिश लैडर के पास और बैराज के कुछ विशेष गेटों के अंदर, मरी हुई मछलियों की मौजूदगी तथा अपस्ट्रीम में कोई मरी हुई मछली न होने की पुष्टि की। प्रारंभिक परीक्षण परिणामों में सामान्य ऑक्सीजन और अम्लीयता स्तर पाए गए, जो जलीय जीवन के लिए उपयुक्त हैं। नमूनों के परिणामों में कोई गंभीर जहरीलापन नहीं पाया गया, जो यह दर्शाता है कि ये मछलियां किसी औद्योगिक प्रदूषण के कारण नहीं मरीं। डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन स्तर मुख्य रूप से 6.2ङ्क7.7 मिलीग्राम/लीटर के बीच था, जो जलीय जीवन के लिए उपयुक्त है।

'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के तहत नकद रहित इलाज, न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी के दौरान तुरंत स्वास्थ्य सुविधाएं कर रहा है सुनिश्चित; जहां जीवन बचाने में हर मिनट होता है अहम

40 लाख से अधिक लाभार्थी कवर, सरकार ने जीवनरक्षक इलाज के लिए आर्थिक बाधाएं दूर कीं : डॉ. बलबीर सिंह

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में एक प्रभावी और जनहितकारी बदलाव के रूप में उभर रही है। इस योजना के तहत मरीजों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है, जिससे विशेष रूप से न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी जैसी गंभीर स्थितियों में तुरंत उपचार संभव हो पा रहा है—जहां हर मिनट जीवन बचाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। चंडीगढ़ में जारी जानकारी के अनुसार, यह योजना सुनिश्चित कर रही है कि आर्थिक तंगी अब किसी भी मरीज के इलाज में बाधा न बने। अब तक 40 लाख से अधिक लोग इस योजना के तहत पंजीकृत हो

चुके हैं। इसके अंतर्गत सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में प्रति परिवार 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें स्ट्रोक, सिर की चोट, दौरे और रीढ़ की हड्डी की गंभीर समस्याएं भी शामिल हैं। होशियारपुर के संदीप सिंह का मामला इस योजना की उपयोगिता को स्पष्ट करता है। तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के बाद उन्हें एम्स बठिंडा में भर्ती कराया गया, जहां उनका 32,300 रुपये का पूरा इलाज योजना के तहत कवर हुआ। उनके पिता जगजीत सिंह के अनुसार, पहले से बना स्वास्थ्य कार्ड इस आपात स्थिति में बेहद मददगार साबित हुआ और परिवार पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सड़क हादसों और बढ़ती उम्र के कारण न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में समय पर इलाज अत्यंत आवश्यक हो जाता है। राजिंदरा अस्पताल के डॉ. हरीश कुमार ने बताया कि कैशलेस मॉडल के कारण अब इमरजेंसी में इलाज तुरंत शुरू किया जा सकता है और कागजी प्रक्रियाएं बाद में पूरी की जाती हैं, जिससे कीमती समय की बचत होती है। लुधियाना के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. हरमन सोबती ने भी बताया कि लोगों में अब शुरुआती लक्षणों को लेकर जागरूकता और भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि चेहरे का टेढ़ा होना, अचानक कमजोरी या बोलने में कठिनाई जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर अस्पताल पहुंचने से बेहतर परिणाम मिलते हैं, और इलाज के खर्च को लेकर झिझक कम होने से मरीज जल्दी चिकित्सा सहायता ले रहे हैं। अस्पतालों के रुझान भी इस योजना की सफलता की पुष्टि करते हैं, जहां कैशलेस न्यूरोसर्जिकल मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि विस्तृत आंकड़े अभी सार्वजनिक नहीं हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि योजना पर लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर नागरिक को समय पर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब किसी भी मरीज को पैसों की कमी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

पंजाब पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ज़ी5 को 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' रिलीज न करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़. राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने और सही एवं जिम्मेदार कंटेंट के प्रसारण को सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ज़ी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक एडवाइजरी जारी कर ÷लॉरेंस ऑफ पंजाब÷ शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री (दस्तावेजी सीरीज़) रिलीज़ न करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। यह कार्रवाई विशेष डीजीपी साइबर क्राइम वी. नीरजा द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69ए(1) के तहत कंटेंट की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की मांग उठाए जाने के बाद सामने आई है। इसमें जन व्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला दिया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि विभिन्न आंतरिक जानकारियों के अनुसार इस डॉक्यूमेंट्री में शामिल नाटकीय चित्रण, वास्तविक जीवन फुटेज और विशिष्ट विवरण संगठित अपराध तथा खतरनाक अपराधियों को महिमामंडित करने का बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे चित्रण युवाओं को गुमराह कर सकते हैं और राज्य में कठिन प्रयासों से कायम की गई शांति तथा कानून-व्यवस्था को भंग कर सकते हैं। इन रिपोर्टों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से संपर्क किया, जो भारत में ओटीटी सामग्री के लिए नामित नोडल एजेंसी है। डीजीपी ने कहा कि पूरी सामग्री की गहन जांच के बाद मंत्रालय ने मामले पर सहमति जताते हुए ज़ी5 को एडवाइजरी जारी कर अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह कंटेंट जारी न करने के निर्देश दिए हैं।

एक नजर

पोषण और स्वाद का संगम, हनुमान ढाणी में आठवें पोषण पखवाड़े का शानदार समापन

भिवानी. महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे आठवें पोषण पखवाड़े के तहत वीरवार को स्थानीय हनुमान ढाणी के आंगनबाड़ी केंद्र में समापन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन और उपायुक्त साहिल गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली और महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी किरण के दिशा-निर्देशों के तहत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वार्ड नंबर 15 पार्षद कविता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अतिथि भोज का आयोजन किया गया, जहाँ उपस्थित मेहमानों को घर के बने पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद चखाया गया। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण रेसिपी कंपटीशन रहा। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्थानीय महिलाओं ने मोटे अनाज (मिलेट्स) और स्थानीय उपलब्ध सामग्री से बने पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में चेतना की मिक्स खिचड़ी को प्रथम, कमला द्वारा बनाए गए गुलगुले व अंकुरित मूंग को द्वितीय, रेनू द्वारा बनाया गया डोसा तथा ज्योति द्वारा बनाए इडली-सांभर तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता का उद्देश्य यह संदेश देना था कि कम लागत में भी स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन तैयार किया जा सकता है। पार्षद कविता ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ परिवार ही एक सशक्त समाज की नींव है। कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए सुपरवाइजर प्रगति ने कहा कि आज का यह आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। हमने आठवें पोषण पखवाड़े के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि पोषण की जानकारी घर-घर तक पहुँचे। रेसिपी कंपटीशन के जरिए महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि हमारे पारंपरिक व्यंजन आधुनिक जंक फूड से कहीं अधिक बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक हैं। अतिथि भोज एक सकारात्मक पहल है जिससे समुदाय में आपसी जुड़ाव बढ़ता है और लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग होते हैं। हमारा लक्ष्य कुपोषण मुक्त समाज बनाना है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर सही पोषण, देश रोशन का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनीषा, रेनू, ममता प्रजापति, आरती, ज्योति, शला, कमला, चेतना, संतोष, चेतना, कमला, मीनषा सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही।

10 मई हिसार में करेगें सरकार के खिलाफ राज्य स्तरीय आन्दोलन की घोषणा

भिवानी. सयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर भिवानी जिले के निर्माण मजदूरों की बंद साईट खोले जाने व भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कार्यवाही करने, यूनियनों को तसदीक का अधिकार देने, लेबर कोड रद्द करने, 26000 रूपयें न्यूनतम वेतन लागू करने, सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू करने, मनरेगा का पुराना कानून बहाल करने की मांगों को लेकर सयुक्त कन्वेंशन सुरेन्द्र मैमोरियल पार्क भिवानी में आयोजित की गई। सयुक्त कन्वेशन की सयुक्त अध्यक्षता इंटक नेता कृष्ण बडसी व भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा, जिला प्रधान सदीक डाडम ने की। मंच संचालन कामरेड अनिल कुमार भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा जिला सचिव ने किया। कन्वेशन के बाद निर्माण मजदूरों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के नाम उपायुक्त भिवानी के मार्फत ज्ञापन सुरेन्द्र सिंह, डीपीआरओं को सौपा। कन्वेशंन को सम्बोधित करते हुए सीटू व इंटक नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार कोरपोरेट घरानों की सरकार हैं। भाजपा सरकार में मजदूर, किसान व मेहनतकश जनता दर-दर की ठोकर खाने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीने से निर्माण मजदूरों का पोर्टल बंद होने के चलते लाखों निर्माण मजदूरों के लाभ व पंजीकरण रुके हुए हैं। फर्जीवाड़े का बहाना बनाकर भाजपा सरकार लाखों निर्माण मजदूरों के हकों व अधिकारों पर ढाका डाल रही हैं। जबकि अभी तक सरकार ने ठोस रूप में किसी भी दलाल या अधिकारी पर कार्रवाई नहीं की है, उल्टा हर रोज नई बयान बाजी करके मजदूरों के ही लाभ रोक कर उनको ही जिम्मेदार ठहराया जा रहा है फर्जीवाड़े का बहाना बनाकर लाखों असली निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, पेंशन, शिक्षा सहायता, मातृत्व लाभ, औजार सहायता, दुर्घटना सहायता और अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर रोक लगाना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड लहर, पहले चरण में ही सुनिश्चित हुई जीत : विनोद चावला

भिवानी. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण के मतदान के बाद भारतीय जनता पार्टी के खेमे में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस चुनाव में भिवानी से प्रचार की जिम्मेवारी संभाल रहे भाजपा जिला प्रवक्ता विनोद चावला और सोशल मीडिया सह-प्रमुख सुनील डावर ने त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता विप्लव देव के साथ दौरा किया। इस दौरान विनोद चावला व सोशल मीडिया सह-प्रमुख सुनील डावर ने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल की जनता अब परिवर्तन का मन बना चुकी है और भाजपा भारी बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। विनोद चावला ने कहा कि पहले चरण के मतदान के दौरान जिस तरह से मतदाताओं में उत्साह देखा गया, वह इस बात का प्रतीक है कि जनता अब तृणमूल कांग्रेस के कथित कुशासन और डर की राजनीति से मुक्त होना चाहती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने इस बार डर को दरकिनार कर विकास और सुशासन के पक्ष में मतदान किया है। पहले चरण की सीटों पर भाजपा की बढ़त साफ नजर आ रही है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की अस्मिता और संस्कृति को बचाने का चुनाव है। चावला व डावर ने बताया कि विप्लव देव के संगठनात्मक अनुभव और त्रिपुरा में वामपंथ के किले को ढहाने की उनकी रणनीति से बंगाल के कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिली है। चावला ने रेखांकित किया कि भाजपा की डिजिटल टीम और जमीनी कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। विपक्ष के भ्रामक प्रचार को विफल करने के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बंगाल के कोने-कोने तक पहुंच रही है।

मानव एकता दिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान शिविर लगाया

भिवानी. जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना, जहाँ मानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहारा का संदेश केवल शब्दों तक सीमित न रहकर हृदयों में जीवंत हुआ। 'मानव एकता दिवस' आज, बाबा गुरबचन सिंह जी की दिव्य स्मृति में, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में दिल्ली के ग्राउंड नं. 8 में आयोजित हुआ। इसके साथ ही समूचे देश की हजारों सत्संग केंद्रो पर श्रद्धा और समर्पण भाव से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और निष्काम सेवा का जीवंत स्वरूप बनकर उभरा। संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि समूचे भारतवर्ष के लगभग 200 स्थानों पर रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया गया; जिससे लगभग 40,000 यूनिट रक्त संकलित किया गया।

परीक्षा शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना सुनिश्चित किया जाए : मुख्यमंत्री नायब सैनी

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नीट (यूजी) व एचसीएस परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा की
- 3 मई 2026 को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा नीट परीक्षा आयोजित होगी।
- राज्यभर में 175 परीक्षा केंद्रों पर करीब 65,300 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई, 2026 को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, 26 अप्रैल को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एचसीएस एवं संबद्ध सेवाओं की परीक्षा के लिए भी पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

प्रदेशभर में नीट (यूजी) परीक्षा के लिए 175 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 65,300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के निकट अभिभावकों के ठहरने और पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो। यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को समय पर केंद्र तक पहुंचने में बाधा न आए। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी तथा जिला स्तर पर भी कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति परीक्षार्थियों को भ्रमित न कर सके।

परीक्षा केंद्रों के आसपास स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त एंबुलेंस तैनात की जाएं तथा पार्किंग स्थलों का पूर्व निर्धारण किया जाए। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए भी मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में आयोजित सीईटी परीक्षा के सफल प्रबंधन की केंद्र सरकार द्वारा सराहना की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी, बिजली, शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से कार्य करते रहें तथा यातायात प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जाए। जरूरत पड़ने पर परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुंचाने के लिए डायल 112 सेवा का भी उपयोग किया जा सकता है। बैठक में जानकारी दी गई कि नीट (यूजी) परीक्षा 3 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा, जिसके बाद प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि परीक्षा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था को दोगुना किया गया है तथा पुरुष और महिला परीक्षार्थियों के लिए अलग-अलग जांच काउंटर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक 100 परीक्षार्थियों पर एक सुरक्षा जांच काउंटर तथा 48 परीक्षार्थियों पर एक बायोमेट्रिक उपकरण लगाया जाएगा। 30 अप्रैल तक सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर एवं अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जैमर को परीक्षा के दिन दोपहर 1:45 बजे से सक्रिय किया जाएगा, ताकि बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए।

बैठक मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा, उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यश पाल, विशेष सचिव मॉनिटरिंग और कोऑर्डिनेशन, डॉ. प्रियंका सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायतों के निपटान में फतेहाबाद निरंतर प्रदेश में अव्वल

पंचकूला ऑब्जर्वर

फतेहाबाद. समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निपटान में फतेहाबाद जिला पूरे प्रदेश में निरंतर अव्वल स्थान पर है। हरियाणा सरकार में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता ने शुक्रवार को आयोजित समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में इस उपलब्धि पर डीसी डॉ. विवेक भारती और जिला प्रशासन की कुशल प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

प्रधान सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि फतेहाबाद जिला प्रशासन समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जो अन्य जिलों के लिए भी एक उदाहरण व अनुकरणीय कदम है।

उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निपटान पर जिला प्रशासन की कार्यशैली सराहनीय है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को कहा किए यह टीम भावना का ही उदाहरण है कि जिला जनसेवा को समर्पित कार्यों को प्रभावी ढंग से कर रहा है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 व 2026 की सभी लंबित शिकायतों का जल्द निपटान सुनिश्चित कर उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भेजी जाए। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जिन शिकायतों को खारिज किया गया है, उनकी कारण सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को एसएमजीटी पोर्टल, सीपीग्राम, जनसंवाद और सीएम विंडो पर दर्ज शिकायतों के निपटान को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को आयोजित हो रहे समाधान शिविर : सीटीएम गौरव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रात: 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

इस अवसर एडीसी अनुराग ढालिया, डीएमसी प्रवीण कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देव मलिक अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयनित

पंचकूला ऑब्जर्वर

रोहतक. पठानिया पब्लिक स्कूल के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि कक्षा 12 के छात्र देव मलिक ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर एक शानदार उपलब्धि हासिल की है। मलिक ने एस.जी.एफ.आई प्रतिष्ठित स्कूल गेम्स में राज्य स्तर से अपने सफर की शुरुआत की और अब वे अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26 अप्रैल, 2026 से 1 मई, 2026 तक महबूब नगर, तेलंगाना में आयोजित की जाएगी।

देव मलिक की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा खेल प्रशिक्षकों-'' मोहन लाल, इजहार, सुरेश, मनदीप, सुमित एवं विभु'' को भी विशेष बधाई दी गई, जिनके मार्गदर्शन और निरंतर प्रयासों से विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ रही है। यह उपलब्धि टीमवर्क, समर्पण और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

स्कूल डायरेक्टर अंषुल पठानिया, को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी एवं समस्त स्कूल स्टॉफ ने देव मलिक की इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी और भविष्य में इसी प्रकार मेहनत करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती 9 मई को शहजादपुर में मनाए जाने की जोरदार तैयारियां

बराड़ा। आगामी 9 मई 2026 को शहजादपुर में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की जयंती को मनाए जाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। जयंती के भव्य आयोजन के निमित कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा के सुपुत्र नेपाल राणा व हरियाणा सरकार में चेयरमैन अमरपाल राणा ने मुलाना विधानसभा के दर्जनों गांवों का भ्रमण कर जयंती समारोह में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया।

बता दें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित रहेंगे तथा जनरल वी. के. सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जयंती का आयोजन होगा।

महम में भाजपा विधायक सुनील सांगवान का खुला दरबार, चार गौशालाओं को 86 लाख की सहायता

पंचकूला ऑब्जर्वर

महम. दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने महम हलके के दौरे के दौरान सामाजिक सरोकार और जनसेवा का उदाहरण पेश करते हुए चार गौशालाओं को कुल 86 लाख 6 हजार 580 रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। वहीं उन्होंने महम के रेस्ट हाउस में खुला दरबार लगाकर आमजन की समस्याएं सुनीं। विधायक सांगवान ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। महम रेस्ट हाउस में आयोजित खुला दरबार में लोगों ने विधायक सुनील सांगवान के समक्ष सड़क, पानी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं। इस अवसर पर तहसीलदार रवि कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। खुला दरबार समाप्त होने के बाद विधायक सुनील सांगवान ने भाजपा नेता दीपक निवास हुड्डा के साथ गांव सामण, सैमाण और फरमाणा सहित कई गांवों का दौरा किया। ग्रामीण सभाओं के दौरान उन्होंने लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और सभी समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव और शहर दोनों के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन कैप्टन ईश्वर शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनोज पहलवान, पार्षद मीना वाल्मीकि, ऋषि भारद्वाज, विकास श्योराण, वेद धवन, जितेंद्र सरपंच, मदीना सरपंच संदीप डांगी, पूर्व सरपंच रामनिवास, अनूप सिंह, रामकुंवर, रोहिला, नीटू सिवाच, संजय बहमनी इत्यादि मौजूद रहे।

क्षेत्र में अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं, दलालों के लिए चौकी में प्रवेश वर्जित रहेगा : अनूप

समालखा. हल्के के गांव चुलकाना धाम में नवनियुक्त चौकी प्रभारी अनूप सिंह का पार्षद मनीष बेनीवाल, पार्षद संजय गोयल, वाइस चेयरमैन सतपाल शर्मा, पार्षद अनिल कालीरामना और प्रदीप मेहला ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए बधाई दी। वहीं पार्षद मनीष बेनीवाल नें बताया कि इंचार्ज अनूप सिंह मैत्री स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के इंसान हैं। वहीं नवनियुक्त चौकी प्रभारी अनूप सिंह ने अपराधियों और दलालों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि क्षेत्र में अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दलालों के लिए चौकी में प्रवेश वर्जित रहेगा, जिससे आम जनता सीधे पुलिस से संपर्क कर सके। अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए चौकी प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि पीड़ितों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार उनका समयबद्ध निस्तारण करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मांगों को लेकर करीबन दो सप्ताह से धरनारत दमकल कर्मियों ने प्रदर्शन कर मंत्री व विधायक को सौंपा ज्ञापन

अपनों की शहादत और सरकार की बेरुखी से आग बबूला हुए दमकलकर्मी

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. हरियाणा में दूसरों की जान और संपत्ति बचाने वाले दमकल कर्मी आज खुद व्यवस्था की आग में झुलस रहे हैं। फरीदाबाद अग्निकांड में अपने दो साथियों भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह को खोने के बाद सरकार द्वारा अपनाए जा रहे दोहरे मापदंड ने प्रदेश भर के फायर फाइटरों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। शुक्रवार को फायर कर्मचारी संघ के कर्मचारियों ने भिवानी सहित पूरे प्रदेश में मंत्रियों और विधायकों को ज्ञापन सौंपकर अपनी हुंकार भरी। इस दौरान कर्मचारियों ने भिवानी में केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी एवं विधायक घनश्याम सर्राफ को अपनी मांगों का मांगपत्र सौंपा।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में वक्ताओं ने सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। प्रदर्शन की अध्यक्षता फायर कर्मचारी संघ के जिला प्रधान अजय श्योराण ने की तथा मंच संचालन राजेश कुमार ने किया। प्रदर्शन को सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुमेर सिंह आर्य, जिला सचिव धर्मबीर भाटी, जिला वरिष्ठ उप प्रधान सूरजभान जटासरा, खंड प्रधान अशोक कुमार गोयत, रोडवेज के राज्य प्रधान नरेन्द्र दिनोद, डिपो सचिव अनिल नागर, शिक्षा बोर्ड से अशोक कुमार पिलानिया, देवेन्द्र सिंह, जोगेन्द्र पिलानिया, पब्लिक हल्थ से प्रवीण कुमार, सीआईटीयू से जिला सचिव अनिल कुमार, जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान बिमला घणघस, सचिव अनुराधा, नगरपालिका के राज्य उपप्रधान पुरुषोत्तम दानव ने संबोधित किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह कितनी शर्मनाक बात है कि एक ही मोर्चे पर, एक ही आग में झुलसकर सिपाही शहीद होता है तो उसे एक करोड़ की सम्मान राशि और शहीद का दर्जा मिलता है, लेकिन उसी आग में खाक होने वाले दमकल कर्मी के परिवार को ठेंगा दिखा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे साथियों को शहीद का दर्जा नहीं मिलता, यह जंग जारी रहेगी। उन्होंने दो टूक कहा कि यह लड़ाई अब केवल फायर कर्मियों की नहीं, बल्कि पूरे कर्मचारी वर्ग की है। उन्होंने कहा कि रक्षकों के ही परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकें, तो यह पूरे तंत्र की विफलता है। नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने कहा कि दमकल कर्मचारियों के समर्थनन में एक मई से प्रदेश के 40 हजार सफाई कर्मचारी हड़ताल पर जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार या तो मांगें माने या हमें भी नौकरी से निकाल दे। इस मौके पर फायर कर्मचारी संघ के जिला प्रधान अजय श्योराण ने मंच से ललकारते हुए कहा कि सरकार की 30 लाख रुपये की खैरात उन्हें मंजूर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 22 से 25 अप्रैल तक प्रदेश के सभी 90 जन-प्रतिनिधियों को जगाने का काम किया जा रहा है और यदि 27 अप्रैल के विधानसभा सत्र तक समाधान नहीं हुआ, तो जेल भरो आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेंगे। साथ ही उन्होंने 27 अप्रैल से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर दमकल केंद्रों पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू होगी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि दिवंगत भवी चंद शर्मा व रणवीर सिंह को आधिकारिक तौर पर शहीद घोषित किया जाए, पुलिसकर्मियों की तर्ज पर परिजनों को एक करोड़ की सहायता और सरकारी नौकरी दी जाए, वर्षों से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को तुरंत पक्का किया जाए, हरियाणा पुलिस की तर्ज पर 5 हजार रूपये मासिक जोखिम भत्ता लागू हो।

अमरावती क्षेत्र में नदी किनारें अवैध खनन सामग्री समेत 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

पंचकूला. जिले में अवैध माइनिंग के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत अमरावती चौकी इन्चार्ज सब इंस्पेक्टर प्रीतम सिंह की मौजूदगी में टीम ने कार्रवाई करते हुए बीती शाम व आज दोपहर बुर्जकोटियां के पास नदी में रंगे हाथ 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध माइनिंग करने पकड़ा। जांच के दौरान चालकों द्वारा वाहनों से संबंधित कोई भी वैध बिल अथवा टैक्स संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को अमरावती चौकी में खड़ा करवाया गया, एक वाहन को इंपाउंड करवा दिया गया व अन्य की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में किसी भी सूरत में अवैध माइनिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध माइनिंग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला पुलिस की एंटी-इलीगल माइनिंग टीमें और स्थानीय थाना व चौकी स्तर की टीमें संबंधित विभागों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

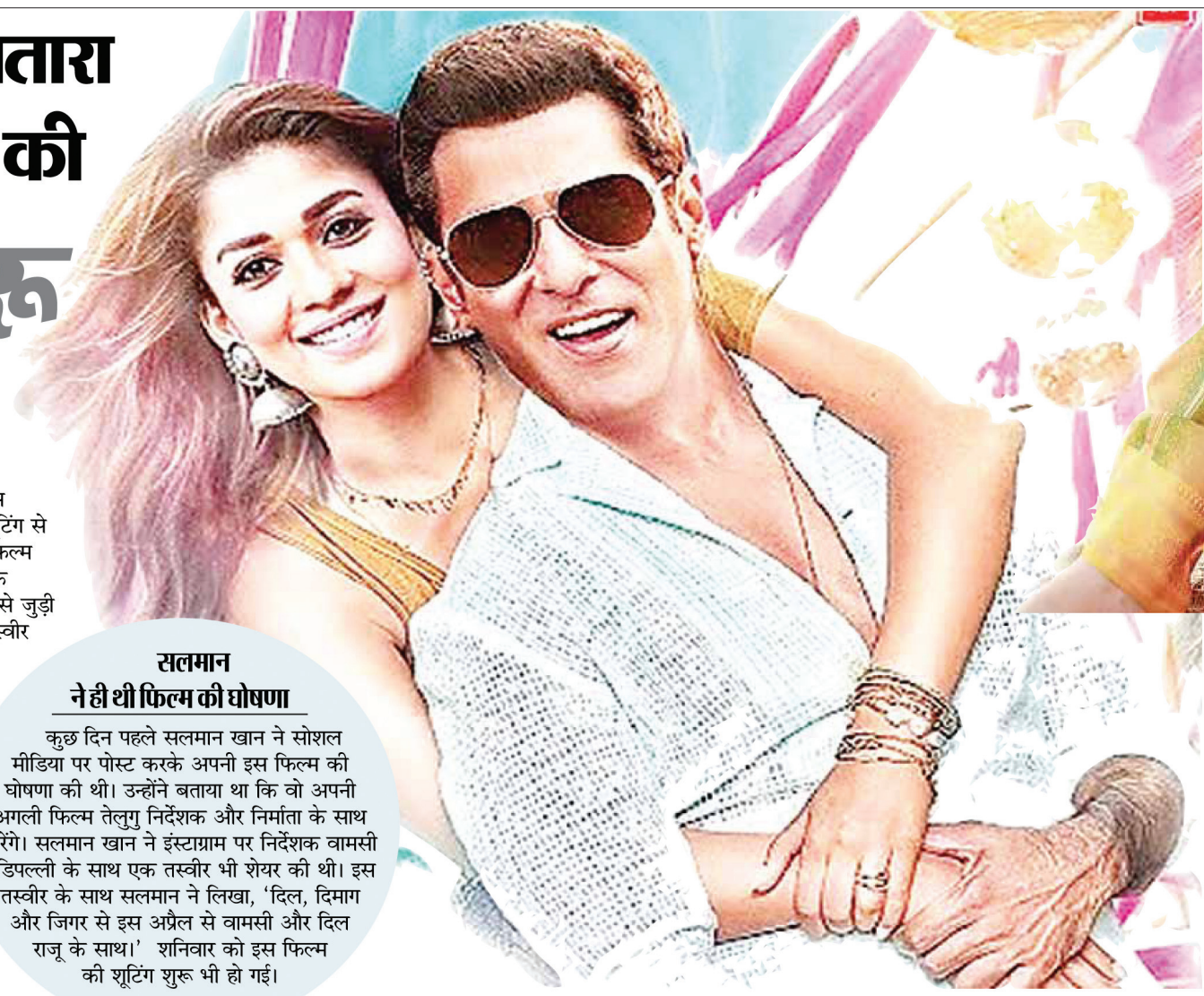

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com